भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3469** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 21 मार्च, 2025/ 30 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाना है

शहरी जल परिवहन

† 3469. श्री खगेन मुर्मु :
श्री अनुराग सिंह ठाकुर :
श्री विनोद लखमशी चावड़ा :
श्रीमती कमलजीत सहरावत :
डॉ. राजेश मिश्रा :
श्री पी. पी. चौधरी :
श्रीमती कमलेश जांगड़े :
श्री दिलीप शइकीया :
कैप्टन बृजेश चौटा :
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन :
श्री भर्तृहरि महताब :
श्री नव चरण माझी :
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) शहरी जल परिवहन प्रणाली व्यवहार्यता अध्ययन के लिए 17 शहरों का चयन करते समय किन-किन मुख्य मानदंडों पर विचार किया गया था;

(ख) सरकार निर्बाध मल्टीमॉडल संपर्क सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित शहरी जल परिवहन प्रणाली को मौजूदा मेट्रो, बस ओर रेल नेटवर्क के साथ किस प्रकार एकीकृत करने की योजना बना रही है;

(ग) क्या सरकार की भविष्य में शहरी जल परिवहन प्रणाली का विस्तार अतिरिक्त शहरों में करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) मैंगलोर (गुरुपुरा नदी) के संबंध में किए गए उक्त व्यवहार्यता अध्ययन की वर्तमान स्थिति क्या है और व्यवहार्यता अध्ययन के बाद की प्रस्तावित रूपरेखा क्या है;

(ङ) क्या छत्तीसगढ़ और असम सहित उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए उक्त प्रणाली के कार्यान्वयन के संबंध में कोई विशिष्ट ढांचा तैयार किया जा रहा है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): शहरी जल परिवहन प्रणाली व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए 17 शहरों के चयन में जिन प्रमुख मापदंडों पर विचार किया है, उनमें न्यूनतम 1 मिलियन की जनसंख्या, मौजूदा नौगम्य अंतर्देशीय जलमार्गों से निकटता और पर्याप्त फेरी सेवाओं की उपलब्धता शामिल हैं।

(ख) और (ग): निर्बाध मल्टी मॉडल संपर्कता सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित शहरी जल परिवहन प्रणाली को मौजूदा मेट्रो, बस एवं रेलवे नेटवर्कों के साथ एकीकृत करने के लिए 17 स्थानों पर शहरी जल परिवहन प्रणाली के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने हेतु कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल) को शामिल किया गया है। वर्तमान में, इसे अन्य शहरों में विस्तारित करने के लिए ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ): केएमआरएल को 17 शहरों में, जिनमें मंगलूर (गुरुपूर्वा नदी) भी शामिल है, व्यवहार्यता अध्ययन करने का कार्य सौंपा गया है। इसकी रूपरेखा व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम पर निर्भर करती है।

(ङ) और (च): व्यवहार्यता अध्ययन के लिए पूर्वोत्तर राज्यों से असम में गुवाहाटी और धुबरी 17 पहचाने गए स्थानों में हैं। वर्तमान में, छत्तीसगढ़ के लिए कोई विशिष्ट योजना नहीं है। शहरी जल परिवहन प्रणाली का कार्यान्वयन, व्यवहार्यता अध्ययन के परिणामों / सिफारिशों पर निर्भर करता है।

****